

पाठ-बाईस सुर का पद



चोटी, मोहि, भई, अजहुँ, बेनी, ह्वै, लांबी, काढ़त, गुहत, न्हवावत, नागिन,
भुई, काचो, चिरजीवौ, दोड़, हलधर, जोटी।



मैया कबहिं बढैगी चोटी।
किती बार मोहि दुध पियत भई, यह अजहुँ है छोटी ॥
तु जो कहति बल की बेनी ज्यों, ह्वै है लांबी मोटी।
काढ़त, गुहत, न्हवावत, पोंछत, नागिन सी भुई लेटी ॥
काचो दुध पियावत पचि-पचि, देति ना माखन रोटी।
सुर, चिरजीवै दोड़ भैया, हरि हलधर की जोटी ॥

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझिए :

चोटी	=	सिर के बीचोंबीच छोड़ रखे हुए लम्बे बाल, शिखा।
किती	=	कितनी।
मोहि	=	मुझे।
अजहुँ	=	आज भी।
बेनी	=	स्त्रियों की चोटी।
लांबी	=	लम्बी।
काढ़त	=	काढ़ना, केश सँवरना।
गुहत	=	बनाना, गुँथना।
न्हवावत	=	नहलाना।
भुई	=	भूमि।
काचा	=	कच्चा।
पचि-पचि	=	बहुत दिन जीना।
दोड़	=	दोनों।
हलधर	=	बलराम।
जोटी	=	जोड़ी।

2. उत्तर दीजिए :

- (क) बालक कृष्ण अपनी चोटी के बारे में माँ से क्या पूछता है ?
- (ख) बार-बार दूध पीने पर भी कृष्ण की अवस्था कैसी है ?
- (ग) कृष्ण की बेनी के बारे में माँ क्या कहती है ?
- (घ) माँ कृष्ण को क्या खाने को नहीं देती ?
- (ङ) किसकी जोड़ी चिरजीवी हो ?
- (च) बालक कृष्ण की सुन्दरता का वर्णन पाँच वाक्यों में कीजिए।

3. वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

चोटी -----
बेनी -----
नागिन -----
माखन -----
हलधर -----

4. पढ़िए और लिंग पहचानिए :

चोटी = स्त्रीलिंग
दूध = पुल्लिंग
बेनी = स्त्रीलिंग
नागिन = स्त्रीलिंग
माखन = पुल्लिंग
रोटी = स्त्रीलिंग

5. सूर के पठित पद का सरल अर्थ लिखिए :

